085/X/SA2/02/C1

विद्यार्थी उत्तर-पुस्तिका में मुख पृष्ठ पर कोड नं. अवश्य लिखें।

कक्षा - X

हिन्दी

(पाठ्यक्रम - ब)

निर्धारित समय : **3** घंटे] [अधिकतम अंक : **80**

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **11** हैं।
- प्रश्न-पत्र में बाएँ हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **18** प्रश्न हैं।
- कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले उस प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए **15** मिनट का समय दिया गया है।

निर्देश :

(i) इस प्रश्न-पत्र के **चार** खंड हैं — **क, ख, ग** और **घ**।

(ii) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना **अनिवार्य** है।

(iii) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमशः दीजिए।

खंड 'क'

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उस पर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तरों के विकल्प चुनकर लिखिए : **1x5=5**

भारत को गाँवों का देश कहा जाता है, क्योंकि देश की आबादी का 70 प्रतिशत भाग गाँवों में बसता है। देश में लगभग सात लाख छोटे - बड़े गाँव हैं। ग्रामीणों का मुख्य पेशा कृषि और उससे संबद्ध धंधे हैं। युगों से ये ग्रामीण अनपढ़, उपेक्षित और शोषित रहे हैं। इनके जीवन को लक्ष्य कर साहित्यकारों ने विविध प्रकार की रचनाएँ की हैं। राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त ने ग्राम - जीवन को भी अत्यंत आह्लादकारी मानकर लिखा है, 'अहा, ग्राम जीवन भी कितना सुखदायी है, क्यों न किसी का मन चाहे।' उन्हें गाँव स्वर्ग - सा लगा, किंतु उन्हें गाँव की झोपड़ियों में पीड़ा का संसार नहीं दिखा। कविवर सुमित्रानंदन पंत ने गाँवों को ही भारत माता के रूप में देखा और कहा, 'भारत माता ग्रामवासिनी, मिट्टी की प्रतिमा उदासिनी।' कविवर ने ग्रामीण जीवन को 'मिट्टी की प्रतिमा उदासिनी' कहकर इंगित किया है कि ग्रामीण जीवन मिट्टी की प्रतिमा की तरह जड़ और उदासी से भरा हुआ है। हिंदी के यशस्वी कथाकार फणीश्वरनाथ रेणु ने अपने उपन्यास 'मैला आंचल' में बिहार के एक गाँव का यथार्थ चित्र प्रस्तुत किया है और विस्तार से बताया है कि गाँव में जातिवाद, मठों - महंतों में चरित्रहीनता, धूर्तता, राजनीतिक उठापटक और अज्ञान का प्रसार चरम पर है।

(क) भारत को 'गाँवों का देश' कहा जाता है, क्योंकि -

(i) गाँवों का बोलबाला है।

(ii) अधिकांश भारतीय गाँवों में रहते हैं।

(iii) अधिकांश सांसद गाँवों से चुनकर आते हैं।

(iv) हमारे खाद्य पदार्थ गाँवों में उगाए जाते हैं।

(ख) ग्रामीणों का मुख्य व्यवसाय है -

(i) अध्यापन (ii) कृषि

(iii) कुटीर उद्योग (iv) पशु-चारण

(ग) किस साहित्यकार ने ग्राम्य - जीवन को स्वर्ग माना है?

(i) सुमित्रानंदन पंत (ii) फणीश्वरनाथ रेणु

(iii) जयशंकर प्रसाद (iv) मैथिलीशरण गुप्त

(घ) गाँव को 'मिट्टी की प्रतिमा उदासिनी' क्यों कहा गया है?

(i) जड़ जीवन के कारण

(ii) आनंदहीन वातावरण के कारण

(iii) व्यस्त दिनचर्या के कारण

(iv) कठिन परिश्रम के कारण

(ङ) गाँव में चरम अवस्था पर है -

(i) समाजवाद और समानता

(ii) प्रेम और सौहार्द

(iii) जातिवाद और अज्ञानता

(iv) आनंद और मनोरंजन

2. **निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तरों के विकल्प चुनकर लिखिए :** **1x5=5**

'संस्कृति' का संबंध 'बुद्धि' से होता है। यह जीवन दर्शन का मुख्य आधार और समाज के विकास को निर्देशित करने वाली प्राकृतिक स्थिति है। यह एक भावात्मक तत्व है जो हार्दिक प्रेरणा से गृहीत बाह्याचारों में अभिव्यक्त होता है। संस्कृति को व्यक्त और अव्यक्त अथवा आंतरिक एवं बाह्य दो रूपों में देखा जा सकता है। व्यक्त संस्कृति में रीतियों, प्रथाओं, आचारों, कलाओं और विभिन्न प्रकार के शिल्प तथ्यों को समाहित किया जाता है, और अव्यक्त संस्कृति इन रूपों में मूर्त होने वाले मूल्यों और प्रयोजनों का समाहार है। संस्कृति मनुष्य के विकासात्मक जीवन - यापन की रीति का नाम है। आदिकाल से लेकर आधुनिक काल तक संस्कृति की अवधारणा बदलती रही है। वास्तव में संस्कृति किसी भी सभ्यता की आत्मा कही जा सकती है, जिससे हमें उसके संपूर्ण संस्कारों का बोध होता है।

(क) संस्कृति के बारे में यह सच नहीं है कि वह, -

(i) जीवन - दर्शन का मुख्य आधार है।

(ii) सामाजिक विकास को निर्देशित करती है।

(iii) बुद्धि से संबंधित है।

(iv) धन वैभव से अभिव्यक्त होती है।

(ख) संस्कृति किसका नाम है?

(i) मनुष्य के विकासात्मक जीवन - यापन का

(ii) मनुष्य के विचारात्मक जीवन - यापन का

(iii) मनुष्य के आनंददायक रूप का

(iv) मनुष्य के संपूर्ण जीवन - यापन का

(ग) संस्कृति के कौन - कौन से रूप हैं?

(i) लिखित और मौखिक

(ii) आंतरिक और बाह्य

(iii) गोपनीय और गुप्त

(iv) धन तथा वैभव

(घ) व्यक्त संस्कृति में किसका उल्लेख मिलता है?

(i) रीति और प्रथा का

(ii) आचार और विचार का

(iii) शिल्प एवं कला का

(iv) उपर्युक्त सभी का

(ङ) 'अवधारणा' का अर्थ नहीं है -

(i) विचार (ii) मान्यता

(iii) संकल्पना (iv) प्रयोजन

3. **निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर उस पर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तरों के विकल्प चुनकर लिखिए :** **1x5=5**

मैत्री की राह बताने को, सबको सुमार्ग पर लाने को,
दुर्योधन को समझाने को, भीषण विध्वंस बचाने को,
भगवान् हस्तिनापुर आए
पांडव का संदेशा लाए
दो न्याय अगर तो आधा दो, पर, इसमें भी यदि बाधा हो,
तो दे दो केवल पाँच ग्राम, रक्खो अपनी धरती तमाम।
हम वहीं खुशी से खायेंगे,
परिजन पर असि न उठायेंगे!
दुर्योधन वह भी दे न सका, आशिष समाज की ले न सका,
उलटे, हरि को बाँधने चला, जो था असाध्य, साधने चला।
जब नाश मनुज पर छाता है,
पहले विवेक मर जाता है।

(क) श्रीकृष्ण के हस्तिनापुर आने का उद्‌देश्य नहीं था :
- (i) विनाश से बचाना
- (ii) सबको राह पर लाना
- (iii) मित्रता की राह बताना
- (iv) दुर्योधन को चुनौती देना

(ख) कृष्ण किसका संदेश लेकर आए थे :
- (i) मथुरावासियों का
- (ii) पांडवों का
- (iii) हस्तिनापुर का
- (iv) कौरवों का

(ग) पांडवों की माँग थी कि यदि आधा राज्य न दे सके तो :
- (i) आधे से कम दे दो
- (ii) पाँचवाँ भाग दे दो
- (iii) पाँच गाँव दे दो
- (iv) कुछ भी दे दो

(घ) पांडव क्या करना नहीं चाहते थे ?
- (i) अपनों पर अस्त्र उठाना
- (ii) समझौता करना
- (iii) माफी माँगना
- (iv) क्षमा करना

(ङ) सर्वनाश से पहले मनुष्य क्या खो देता है ?

(i) बुद्धि (ii) प्रेम (iii) भक्ति (iv) विवेक

4. **निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर उस पर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तरों के विकल्प चुनकर लिखिए :** 1x5=5

नीलांबर परिधान हरित पट पर सुंदर हैं,
सूर्य चंद्र युग - मुकुट, मेखला रत्नाकर हैं,
नदियाँ प्रेम - प्रवाह, फूल तारे मंडल है,
बंदीजन खग - वृंद शेषफन सिंहासन है
करते अभिषेक पयोद हैं, बलिहारी इस वेश की
हे मातृभूमि ! तू सत्य ही, सगुण मूर्ति सर्वेश की ;

(क) काव्यांश में किसकी महिमा का वर्णन है -
(i) नीलांबर का (ii) हरित पट का
(iii) सूर्य और चंद्रमा का (iv) मातृभूमि का

(ख) सुंदर 'हरित पट' क्या है :
(i) हरी साड़ी (ii) हरे - भरे खेत
(iii) नए वस्त्र (iv) वन - उपवन

(ग) दो मुकुट हैं -
(i) मेखला और रत्नाकर (ii) सूर्य और चंद्रमा
(iii) नीलांबर और परिधान (iv) फूल और तारे

(घ) मातृभूमि का अभिषेक कौन करता है -
(i) बादल (ii) नदियाँ
(iii) समुद्र (iv) सर्वेश

(ङ) 'सगुण मूर्ति' का तात्पर्य है
(i) गुणवान मूर्ति (ii) मूर्तिमान गुण
(iii) साक्षात रूप (iv) सच्ची आकृति

खंड 'ख'

5. (i) '<u>वदे मातरम् बोलते हुए</u> वह मोनुमेंट की ओर बहुत जोर से दौड़ा' वाक्य में रेखांकित पदबंध है : **1**
(क) संज्ञा (ख) सर्वनाम
(ग) विशेषण (घ) क्रिया विशेषण

(ii) 'दुकानों में ऊँघते हुए चेहरों ने बाहर की ओर देखा।' वाक्य में संज्ञा पदबंध है : **1**
(क) दुकानों में (ख) दुकानों में ऊँघते हुए
(ग) दुकानों में ऊँघते हुए चेहरों ने (घ) बाहर की ओर

(iii) 'मीनू शाम को घूमते हुए आ जाएगी'। रेखांकित का पद परिचय है : **1**
(क) अकर्मक क्रिया, स्त्रीलिंग,भविष्यकाल, एकवचन।
(ख) अकर्मक क्रिया, पुल्लिंग, भविष्यकाल, एकवचन।
(ग) सकर्मक क्रिया, स्त्रीलिंग, भूतकाल, एकवचन।
(घ) सकर्मक क्रिया, पुल्लिंग, भविष्यकाल, बहुवचन।

(iv) 'जब मैं वहाँ पहुँचा तब वह टी. वी. देख रहा था।' – रेखांकित पद का परिचय है : 1

(क) सर्वनाम, पुरुषवाचक, मध्यमपुरुष, बहुवचन, पुल्लिंग।

(ख) सर्वनाम, पुरुषवाचक, उत्तमपुरुष, बहुवचन, पुल्लिंग।

(ग) सर्वनाम, पुरुषवाचक, अन्यपुरुष, एकवचन, स्त्रीलिंग।

(घ) सर्वनाम, पुरुषवाचक, उत्तमपुरुष, एकवचन, पुल्लिंग।

6. (i) 'जहाँ – जहाँ नेताजी गए, उनका भव्य स्वागत हुआ।' रचना के आधार पर वाक्य का भेद है : 1

(क) मिश्र वाक्य (ख) संयुक्त वाक्य

(ग) सरल वाक्य (घ) संकेतवाचक

(ii) निम्नलिखित में मिश्र वाक्य है : 1

(क) छतरी वाले आदमी को बुला कर लाना होगा।

(ख) जाओ और छतरी वाले आदमी को बुला लाओ।

(ग) छतरी वाले आदमी को बुला लाओ।

(घ) जिसके हाथ में छतरी है, उसे बुला लाओ।

(iii) 'कप नीचे गिरा और टूट गया।' रचना के आधार पर वाक्य का भेद है : 1

(क) मिश्र वाक्य (ख) इच्छावाचक

(ग) संयुक्त वाक्य (घ) सरल वाक्य

(iv) निम्नलिखित में संयुक्त वाक्य है : 1

(क) सिनेमाघर पहुँचने पर फिल्म शुरू हो गई।

(ख) आप सिनेमा घर पहुँचे और फिल्म शुरू हो गई।

(ग) जैसे ही सिनेमाघर पहुँचे वैसे ही फिल्म शुरू हो गई।

(घ) फिल्म शुरू होने के लिए हमारा इंतज़ार कर रही है।

7. (i) 'अत्यंत' का संधि – विच्छेद है : 1

(क) अती + अंत (ख) अत्य + अंत

(ग) अति + अंत (घ) अंत + अंत

(ii) 'तथा + एव' की संधि है : 1

(क) तथेव (ख) तथैव (ग) तथाव (घ) तदैव

(iii) 'पीतांबर' समस्त पद का विग्रह है : 1

(क) पीत में अंबर (ख) पीत है जो अंबर

(ग) पीत के समान अंबर (घ) पीत के लिए अंबर

(iv) 'अपने आप पर बीती' का समस्त पद है : 1

(क) अपनबीती (ख) आपाबीती

(ग) अपने आप बीती (घ) आपबीती

8. (i) 'विदेश गए अपने बेटे को देखने के लिए माँ की ---------।' 1

रिक्त स्थान की पूर्ति के लिए उपयुक्त मुहावरा है -

(क) रंग में भंग पड़ना (ख) आड़े हाथों लेना

(ग) आँखें बचाना (घ) आँखें तरस जाना

(ii) जब समय था तो पढ़ा नहीं और अब रो रहे हो, ----------। उपयुक्त लोकोक्ति से रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए। 1

(क) अब पछताए होत क्या जब चिड़िया चुग गई खेत

(ख) आ बैल मुझे मार

(ग) अंत भला तो सब भला

(घ) हाथ मलना

(iii) 'आगे कुआँ पीछे खाई' लोकोक्ति का सही अर्थ है : 1

(क) गुण के विरुद्ध नाम होना

(ख) दोहरा लाभ होना

(ग) दोनों ओर से संकट होना

(घ) संयोग से सफलता प्राप्त करना

(iv) 'शेर के मुँह में जाना' मुहावरे का अर्थ है : 1

(क) विरोध करना (ख) खतरे का काम करना

(ग) प्राणों का संकट (घ) प्रतिष्ठा घटना

9. (i) निम्नलिखित में अशुद्ध वाक्य है : 1

(क) तुमने दुश्मनों को लोहे के चने खिलाए।

(ख) उसने मुझसे काम कराया।

(ग) अमीर लोग गरीबों का गला घोंट रहे हैं।

(घ) वह तेज दौड़ता है।

(ii) निम्नलिखित में शुद्ध वाक्य है : 1

(क) मेरे को तुमसे कुछ काम था।

(ख) रीना की पीठ को दर्द है।

(ग) माफ कर देना ही बड़प्पन है।

(घ) सभी दोष माफ कर देने चाहिएँ।

(iii) निम्नलिखित में अशुद्ध वाक्य है :- 1

(क) निरपराध को दंड देना ठीक नहीं है।

(ख) मैं चाँदी के बरतन खरीदा।

(ग) यहाँ गाय का शुद्ध दूध मिलता है।

(घ) वहाँ अनेक लोग थे।

(iv) निम्नलिखित में अशुद्ध वाक्य है : 1

(क) पुराने रिवाज़ आज भी चलते हैं।

(ख) जितनी शक्कर डालोगे उतना मीठा होगा।

(ग) मेरा पर्स तुम्हारे पर्स से अच्छा है।

(घ) रीता और सुनीता में घोर संबंध हैं।

खंड 'ग'

10. काव्यांश को पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : **1x5=5**

विपदाओं से मुझे बचाओ, यह मेरी प्रार्थना नहीं
केवल इतना हो (करुणामय)
कभी न विपदा में पाऊँ भय।
दु:ख - ताप से व्यथित चित्त को न दो सांत्वना, नहीं सही
पर इतना होवे (करुणामय)
दुख को मैं कर सकूँ सदा जय।
कोई कहीं सहायक न मिले
तो अपना बल पौरुष न हिले ;
हानि उठानी पड़े जगत् में लाभ अगर वंचना रही
तो भी मन में ना मानूँ क्षय।।

(i) प्रस्तुत काव्यांश के कवि हैं :
(क) निदा फाजली (ख) रवींद्रनाथ टैगोर
(ग) मैथिलीशरण गुप्त (घ) वीरेन डंगवाल

(ii) कवि क्या प्रार्थना कर रहा है?
(क) दुख न देने की
(ख) मुश्किलों का सामना करने की शक्ति देने की
(ग) मुश्किलों से बचाने की
(घ) मोक्ष प्रदान करने की

(iii) 'सांत्वना' का अर्थ है :
(क) सुख (ख) शांति (ग) प्रेम (घ) तसल्ली

(iv) सहायक न मिलने पर कवि किसका सहारा चाहता है?
(क) अपने पराक्रम का (ख) सगे संबंधियों का
(ग) ईश्वर का (घ) सभी का

(v) कवि की प्रार्थना अन्य प्रार्थनाओं से अलग है, क्योंकि वह :
(क) दुखों का सामना करने की हिम्मत चाहता है।
(ख) सबके लिए शांति चाहता है।
(ग) दुखों से बचना चाहता है।
(घ) सबके लिए सुख माँग रहा है।

अथवा

'मनुष्य मात्र बंधु है' यही बड़ा विवेक है,
पुराण पुरुष स्वयंभू पिता प्रसिद्ध एक है।
फलानुसार कर्म के अवश्य बाह्य भेद हैं,
परंतु अंतरैक्य में प्रमाणभूत वेद हैं।
अनर्थ है कि बंधु ही न बंधु की व्यथा हरे,
वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे।।

(i) 'मनुष्य मात्र बंधु है' में बंधु से अभिप्राय है

(क) श्रेष्ठ (ख) विवेकशील

(ग) भ्रातृत्व (घ) बंधा हुआ

(ii) कवि ने बाह्य भेद किसे माना है?

(क) रूप - रंग के कारण उत्पन्न भिन्नता को

(ख) कर्म - धर्म के कारण उत्पन्न भिन्नता को

(ग) धर्म - जाति के कारण उत्पन्न भिन्नता को

(घ) वेश - भूषा के कारण उत्पन्न भिन्नता को

(iii) वेद किस सत्य को उद्‌घाटित करते हैं?

(क) सभी भारतीय हैं (ख) सभी धनी हैं

(ग) सभी हिंदू हैं (घ) सबमें एक ही ईश्वर है।

(iv) कवि ने 'स्वयंभू' किसे कहा है :

(क) ईश्वर को (ख) मनुष्य को

(ग) समाज को (घ) राष्ट्र को

(v) कवि के अनुसार अनर्थ क्या है :

(क) दूसरों की सहायता न करना

(ख) अपना ही भला सोचना

(ग) प्रेम न करना

(घ) विवेकहीन होना

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए : **2½+2½=5**

(क) ख्यूक्रिन क्या चाहता था? क्यों? 'गिरगिट' पाठ के आधार पर बताइए।

(ख) लेखक की माँ पेड़ों के पत्ते तोड़ने के लिए कब मना करती थी और क्यों? - 'अब कहाँ दूसरों के दुख से दुखी होने वाले' पाठ के आधार पर बताइए।

(ग) 'पतझड़ की टूटी पत्तियाँ'पाठ के आधार पर बताइए कि प्रैक्टिकल आइडियालिस्ट किसे कहते हैं?

(घ) 'कारतूस' नाटक की मुख्य घटना क्या है? इससे वज़ीर अली की किन विशेषताओं का पता चलता है ?

12. 'गिरगिट' कहानी में यदि आप भीड़ में एक आम आदमी होते तो आपकी क्या प्रतिक्रिया होती? कारण सहित उत्तर दीजिए। **5**

अथवा

शुद्‌ध - सोने और गिन्नी के सोने में क्या अंतर है? इस संदर्भ में गांधी का उल्लेख क्यों किया गया है?

13. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

ग्वालियर से बंबई की दूरी ने संसार को काफ़ी कुछ बदल दिया है। वर्सोवा में जहाँ आज मेरा घर है, पहले यहाँ दूर तक जंगल था। पेड़ थे, परिंदे थे और दूसरे जानवर थे। अब यहाँ समंदर के किनारे लंबी - चौड़ी बस्ती बन गई है। इस बस्ती ने न जाने कितने परिंदों - चरिंदों से उनका घर छीन लिया है। इनमें से कुछ शहर छोड़कर चले गए हैं। जो नहीं जा सके हैं उन्होंने यहाँ - वहाँ डेरा डाल लिया है। इनमें से दो कबूतरों ने मेरे फ्लैट के एक मचान में घोंसला बना लिया है। बच्चे अभी छोटे हैं। उनके खिलाने - पिलाने की ज़िम्मेदारी अभी बड़े कबूतरों की है। वे दिन में कई - कई बार आते - जाते हैं। और क्यों न आएँ - जाएँ आखिर उनका भी घर है। लेकिन उनके आने - जाने से हमें परेशानी भी होती है। वे कभी किसी चीज़ को गिराकर तोड़ देते हैं। कभी मेरी लाइब्रेरी में घुसकर कबीर या मिर्ज़ा गालिब को सताने लगते हैं।

(क) लेखक को ग्वालियर और बंबई में क्या अंतर नज़र आता है? 2

(ख) परिंदों का घर क्यों छीना जाने लगा? 2

(ग) कबूतर लेखक को कैसे परेशान करते हैं? 1

अथवा

अकसर हम या तो गुज़रे हुए दिनों की खट्टी - मीठी यादों में उलझे रहते हैं या भविष्य के रंगीन सपने देखते रहते हैं। हम या तो भूतकाल में रहते हैं या भविष्यतकाल में। असल में दोनों काल मिथ्या हैं। एक चला गया है, दूसरा अभी आया नहीं है। हमारे सामने जो वर्तमान क्षण है, वही सत्य है। उसी में जीना चाहिए। चाय पीते - पीते उस दिन मेरे दिमाग से भूत और भविष्य दोनों काल उड़ गए थे। केवल वर्तमान क्षण सामने था। और अनंत काल जितना विस्तृत था। जीना किसे कहते हैं, उस दिन मालूम हुआ।

(क) कौन - कौन से काल मिथ्या हैं और क्यों? 2

(ख) लेखक के अनुसार सत्य क्या है? 2

(ग) वर्तमान में क्यों जीना चाहिए? 1

14. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(क) बिहारी के दोहे में 'भरे भौन में करत हैं, नैननु ही सब बात' का भाव अपने शब्दों में लिखिए। 2

(ख) 'मधुर - मधुर मेरे दीपक जल' कविता के आधार पर बताइए कि महादेवी को आकाश के तारे स्नेहहीन क्यों प्रतीत होते हैं? 2

(ग) 'कर चले हम फिदा' कविता में 'हिमालय' किसका प्रतीक है? 1

15. 'अम्मी' वाली घटना के समय यदि आप टोपी के घर उपस्थित रहते तो किसका साथ देते और क्यों? 3

अथवा

गृहकार्य पूरा न करने पर लेखक क्या - क्या योजनाएँ बनाता था? और उसे पूरा न कर पाने की स्थिति में किसकी तरह बहादुर बनने की कल्पना करता है?

16. 'सपनों के से दिन' पाठ के लेखक की नानी को लेखक में कौन - सी बातें अच्छी लगती हैं? 2

खंड 'घ'

17. दिल्ली प्रदेश द्वारा महिलाओं की सुरक्षा के लिए चलाए जा रहे आत्म - सुरक्षा प्रशिक्षण अभियान की सराहना करते हुए दिल्ली पुलिस के आयुक्त को पत्र लिखिए। 5

अथवा

शिक्षा निदेशक को अपने विद्यालय में हस्तकला एवं शिल्प की प्रदर्शनी आयोजित करवाने के लिए निवेदन करते हुए पत्र लिखिए।

18. दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर किसी एक विषय पर लगभग 100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए : 5

(क) पुस्तकालय

- पुस्तकालय का अर्थ और प्रकार
- पुस्तकालय मित्र के समान
- आवश्यकता और उपयोग

(ख) विद्यार्थी जीवन और फैशन

- फैशन क्या है ?
- विद्यार्थियों पर बढ़ते फैशन का प्रभाव
- दुष्प्रभावों से बचें कैसे

(ग) वसंत ऋतु

- भारत में ऋतुएँ और वंसत ऋतु
- वसंत ऋतु का मानव जीवन पर प्रभाव
- लाभ और सन्देश

- o 0 o -